



INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का एक तुलनात्मक अध्ययन

सुजाता (पी. एच.डी. शोधार्थी), डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्य प्रदेश)

डॉ मुंशी रकीब (शिक्षा विभाग सह-प्राध्यापक, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश)

सार संक्षेप :

शिक्षा एक पूर्ण जीवन जीने की कुंजी है। एक बच्चे की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता उनकी भविष्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। बच्चे की अनुकूलन क्षमता उनके घरेलू जीवन, सामाजिक संपर्क, शिक्षा और वित्तीय स्थिरता जैसे कारकों से प्रभावित होती है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु छ.ग राज्य के दुर्ग जिले के शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालय का चयन जनसंख्या हेतु किया गया। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। अध्ययन के न्यादर्श हेतु कुल 275 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 151 छात्र और 124 छात्राओं को शामिल किया गया। शोधकर्ता द्वारा उपकरण के रूप में डॉ. ए. केपी सिन्हा और डॉ. आरपी सिंह (2012) द्वारा विकसित समायोजन मापनी का उपयोग किया गया है। अध्ययन के लिए सांख्यिकीय तकनीकों के रूप में टी परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन से पता चला कि भावनात्मक समायोजन में छात्र और छात्राओं के बीच उल्लेखनीय अंतर है, छात्रों के भावनात्मक समायोजन का मध्यमान, छात्राओं के भावनात्मक समायोजन के मध्यमान की तुलना में अधिक पाया गया। लेकिन पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

कुंजी शब्द : समायोजन, पारिवारिक समायोजन, सामाजिक समायोजन, भावनात्मक समायोजन, गृह समायोजन

प्रस्तावना

समायोजन की अवधारणा में एक सतत प्रक्रिया शामिल है जिसमें एक व्यक्ति अपने परिवेश के साथ अधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए अपने व्यवहार को संशोधित करता है। यह विशेष रूप से संतुलन के परिणामों को संदर्भित करता है, जो समायोजन और अनुकूलन दोनों से प्रभावित हो सकता है। किसी के भौतिक और सामाजिक वातावरण में नेविगेट करने और पनपने की क्षमता काफी हद तक व्यक्ति की समायोजन क्षमता पर निर्भर करती है। यह देखते हुए कि पर्यावरणीय स्थितियाँ निरंतर परिवर्तनशील स्थिति में हैं, प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वयं को उसके अनुसार अनुकूलित और संशोधित करना आवश्यक है। संक्षेप में, समायोजन व्यक्तियों और उनके पर्यावरण के बीच सामंजस्यपूर्ण तालमेल बनाए रखने की कुंजी है, जैसा कि क्रो एंड क्रो (1956) ने कहा था। निष्कर्षतः, समायोजन व्यक्तियों और उनके पर्यावरण के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बच्चे के विकास में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है और उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। सामाजिक आर्थिक स्थिति, पारिवारिक वातावरण और स्कूल से संबंधित कारकों सहित विभिन्न कारक, किसी व्यक्ति की समायोजन करने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं और बाद में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। इसाबेला (2010) द्वारा बी.एड छात्रों के बीच किए गए एक अध्ययन में, शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक आर्थिक स्थिति के बीच एक उल्लेखनीय संबंध की खोज की गई थी। अध्ययन ने बेतरतीब ढंग से 158 छात्र शिक्षकों का चयन किया और डेटा इकट्ठा करने के लिए संशोधित कुप्पुस्वामी के सामाजिक आर्थिक स्थिति पैमाने का उपयोग किया। निष्कर्षों से पता चला कि बीएड छात्रों के बीच शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक आर्थिक स्थिति के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं था। इस बीच, मोहनराज और लता (2005) ने किशोरों में पारिवारिक माहौल, घरेलू समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध की जांच की। विभिन्न आयु समूहों और घरेलू परिवेशों में एक समरूप नमूने पर किए गए अध्ययन में मूस और मूस परिवार पर्यावरण स्केल के साथ-साथ बेल की समायोजन सूची को नियोजित किया गया। परिणामों ने संकेत दिया कि पारिवारिक वातावरण न केवल घरेलू समायोजन को प्रभावित करता है बल्कि शैक्षणिक प्रदर्शन

को भी प्रभावित करता है। इसके अलावा, राव की शैक्षणिक उपलब्धि सूची और वाक्य समापन उपकरण का उपयोग करते हुए रेड्डी के अध्ययन (1976) ने शैक्षणिक समायोजन और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध का खुलासा किया। इसके अतिरिक्त, राजू और रहमतुल्लाह (2007) ने पाया कि स्कूली बच्चों का समायोजन मुख्य रूप से विद्यालय के भीतर के कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि शैक्षिक उपलब्धि, शिक्षा की भाषा और विद्यालय प्रबंधन। इसके अतिरिक्त, माता-पिता का शैक्षिक स्तर और व्यवसाय भी छात्रों के समायोजन को प्रभावित करता है। बच्चे के विकास में समायोजन की भूमिका बहुत महत्व रखती है। ट्रो (1956) के अनुसार, शैक्षणिक उपलब्धि को शिक्षा से संबंधित कार्यों में ज्ञान और दक्षता की प्राप्ति के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जिसका मूल्यांकन आमतौर पर मानकीकृत परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है और छात्र के प्रदर्शन के आधार पर ग्रेड या इकाइयों में परिलक्षित होता है। इस अवधारणा में ऐसे कई तत्व शामिल हैं जो शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करते हैं, जैसे कि बच्चे की अपने पारिवारिक, शैक्षणिक, भावनात्मक, वित्तीय और सामाजिक परिवेश में बदलती परिस्थितियों के प्रति उनकी समायोजन क्षमता।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के पारिवारिक समायोजन की तुलना करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के सामाजिक समायोजन की तुलना करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के शैक्षिक समायोजन की तुलना करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के वित्तीय समायोजन की तुलना करना।
- माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन की तुलना करना।

परिकल्पना

H1:

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

H2 :

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

उपकरण का विवरण

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ता द्वारा उपकरण के रूप में डॉ. ए.के.पी सिन्हा और डॉ. आरपी सिंह (2012) द्वारा विकसित समायोजन मापनी का उपयोग किया गया है

प्रदत्तों की व्याख्या एवं विश्लेषण :-

H1:

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा। उपरोक्त परिकल्पना की जाँच हेतु माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के आंकड़ों का संग्रहण किया गया। प्राप्त आंकड़ों का मध्यमान प्रमाणिक विचलन तथा टी-मूल्य ज्ञात किया गया।

सारणी क्र. 1

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के समायोजन का सांख्यिकीय विश्लेषण

क्र.	समायोजन		छात्र N = 151	छात्रा N = 124	टी मूल्य
1	पारिवारिक	मध्यमान	8.09	7.98	0.45
		प्रमाणिक विचलन	1.78	1.97	
2	सामाजिक	मध्यमान	6.94	7.15	-0.84

		प्रमाणिक विचलन	2.01	2.01	
3	शैक्षिक	मध्यमान	6.58	6.33	1.03
		प्रमाणिक विचलन	2.05	1.99	
4	वित्तीय	मध्यमान	7.57	7.18	1.45
		प्रमाणिक विचलन	1.95	2.43	
5	भावनात्मक	मध्यमान	6.13	5.63	2.04*
		प्रमाणिक विचलन	2.11	1.98	

उपरोक्त सारणी क्रमांक -1 के अनुसार माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया । माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के भावनात्मक समायोजन का मध्यमान क्रमशः 6.13; प्रामाणिक विचलन 2.11 तथा छात्राओं के भावनात्मक समायोजन का मध्यमान क्रमशः 5.63; प्रामाणिक विचलन 1.98 प्राप्त हुआ। दोनों के मध्य टी मूल्य की गणना करने पर मान 2.04 प्राप्त हुआ, जो 1.96 के सारणी मूल्य से अधिक है। अतः परिकल्पना “माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा परिकल्पना अस्वीकृत होती है।”

H2 : माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा। उपरोक्त परिकल्पना की जांच हेतु माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के आंकड़ों का संग्रहण किया गया। प्राप्त आंकड़ों का मध्यमान प्रमाणिक विचलन तथा टी-मूल्य ज्ञात किया गया ।

उपरोक्त सारणी क्रमांक -1 के अनुसार पारिवारिक (0.45), सामाजिक (-0.84), शैक्षिक समायोजन (1.03, और वित्तीय समायोजन (1.45, के क्षेत्रों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया, क्योंकि विश्लेषण से प्राप्त टी-मूल्य, सारणी मूल्य (1.96) से कम है। अतः परिकल्पना “माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा” स्वीकृत होती है। अध्ययन के निष्कर्ष गनाई एट अल (2013) द्वारा किए गए शोध के साथ सहजता से मेल खाते हैं, जिसने निर्धारित किया कि छात्र और छात्राओं के पारिवारिक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों में

एकीकरण के बीच कोई स्पष्ट असमानता नहीं है। हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि हमारा अध्ययन गनार् ई एट अल (2013) द्वारा किए गए उपरोक्त शोध से काफी भिन्न है।

निष्कर्ष

1. माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। इसी संदर्भ में छात्रों के भावनात्मक समायोजन का मध्यमान, छात्राओं के भावनात्मक समायोजन के मध्यमान की तुलना में अधिक पाया गया।
2. पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्र और के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षकों के पास छात्रों की समायोजन क्षमता को बढ़ाने के लिए एक उल्लेखनीय कौशल है, और इसके लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम के भीतर जटिल तकनीकों के उपयोग की आवश्यकता होती है। योग और ध्यान जैसी प्रथाओं का समावेश, संपूर्ण समूह गतिविधियों का समर्थन, और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और खेल जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का एकीकरण छात्रों के भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने में बहुत बड़ा वादा करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Adhiambo, W.A., Odwar, A.J., & Mildred, A.A. (2011). Journal of Emerging Trends in Educational Research and Policy Studies (JETERAPS), 2(6)

Ganai et.al (2013). A comparative study of adjustment and academic achievement of college students. Journal of Educational Research and Essays. 1(1), 5-8.

Isabella, A. (2010). Academic achievement of the B.Ed student teachers in relation to their socioeconomic status. Edu tracks, 10(3), 27-28.

Raju, M., & Rahamtulla (2007). Adjustment problems among school students. Journal of the Indian academy of Indian psychology. 33(1), 2007, 73-79

Reddy, I. V. R., (1976). Academic adjustment in relation to scholastic achievement of secondary school pupils-a longitudinal study, Ph.D. Edu., SVU.

Trow, W. C. (1956). Psychology in teaching and learning, Boston: Houghton Mifflin Company.

Yellaiah. (2012). A study of adjustment on academic achievement of high school students.

International Journal of Social sciences & Interdisciplinary Research. 1(5)